मॉली विलियम्स

पहली अमेरिकी महिला फायर-फाइटर

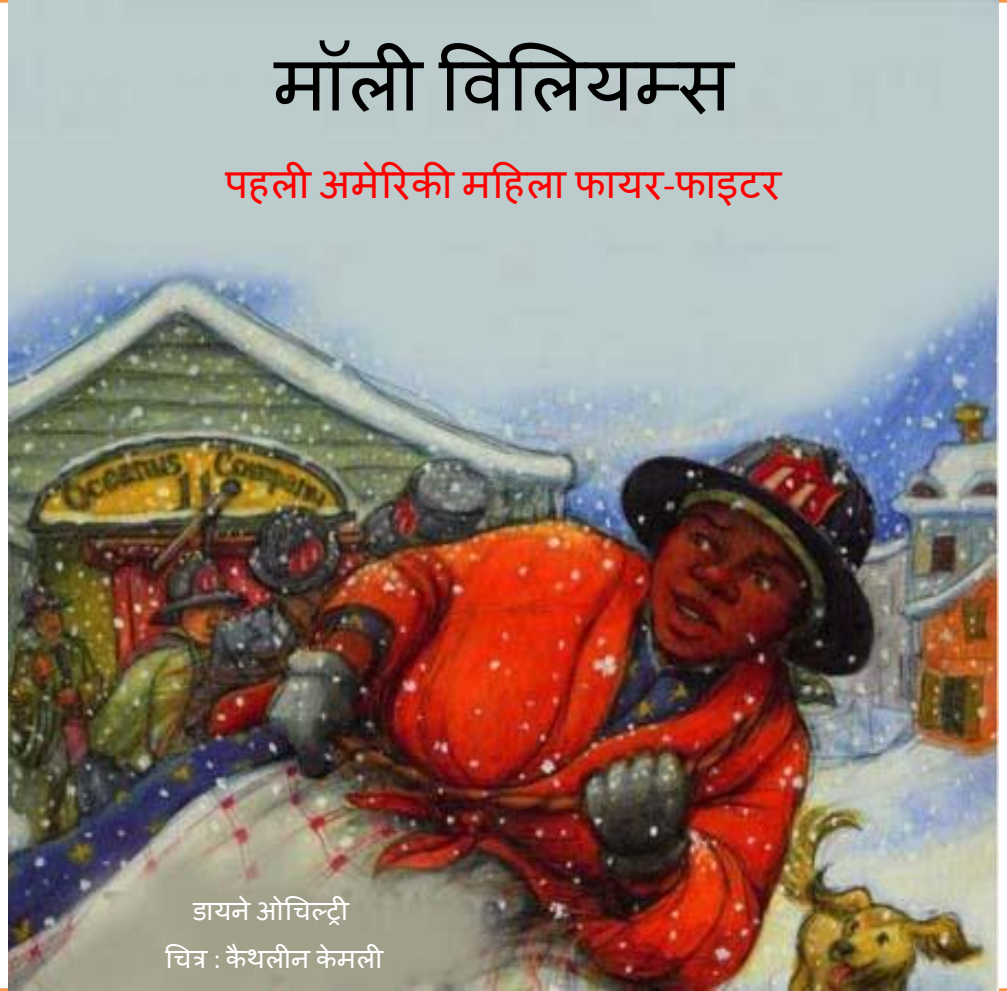

डायने ओचिल्ट्री

चित्र : कैथलीन केमली

मॉली विलियम्स

पहली अमेरिकी महिला फायर-फाइटर

Oceanus Company
11
11
NY FD

"हमारी मौली, न्यूयॉर्क शहर में किसी भी कुक से बेहतर है," फायर ब्रिगेड कंपनी नंबर 11 के लोगों को यह डींग मारना पसंद थी. "असल में वो एकदम अद्भुत है!"

कप्तान हमेशा कहते थे, "मौली का जल्दबाजी में बना हलवा बहुत स्वादिष्ट होता है."

"नहीं सर," इसहाक के कहा, "उनकी स्वादिष्ट चिकन से किसी भी आदमी के मुंह में पानी आ जाए."

"सेब वाली डिश मौली की सबसे स्वादिष्ट डिश है," जोनास ने जोर देकर कहा. फायर ब्रिगेड कंपनी की मेज पर ऐसे तर्क लगातार चलते रहते थे जब तक सब लज़ीज़ खाना ख़त्म नहीं हो जाता था. लेकिन एक बात पर सभी लोग एकमत थे: मौली जो भी काम करती थी वो अपना पूरा दिल लगाकर और पूरे जोश के साथ करती थी - चाहें वो काम रसोई के अंदर का हो, या बाहर का.

सर्दी के एक दिन मौली ने यह बात साबित कर दी कि वो अपने काम में कितनी उस्ताद थी.

मिस्टर अयमार के घर की रसोई में मौली विलियम्स शानदार ढंग से मक्का, अंडे और एक मिट्टी के बरतन में छाछ बना रही थी. छाछ बिलोने पर बर्तन के अंदर क्रीम की मोटी तह घूम रही थी. लेकिन खिड़की के बाहर क्रीम के रंग की स्नो गिर रही थी. बाहर बर्फ की छोटी पहाड़ियां जमीं थीं. मौली ने चूल्हे की आग को हिलाया ... और फिर उसे चिंता हुई.

जैसे ही उसके केक बेक होकर तैयार हुए, एक भयंकर तेज़ हवा ने दरवाजे पर दस्तक दी और फिर लाल-ईंट की दीवारों की दरारों में से सीटी बजने लगी. मौली को और चिंता हुई. हिमपात से उस सुबह पास-पड़ोस एकदम स्नो से ढंक गया था, और एक भयानक बीमारी बहुत से घरों में फैल रही थी. इन्फ्लुएंजा! कई आग बुझाने वाले स्वयंसेवक पहले से ही बीमार थे. उसमें मिस्टर अयमार भी शामिल थे.

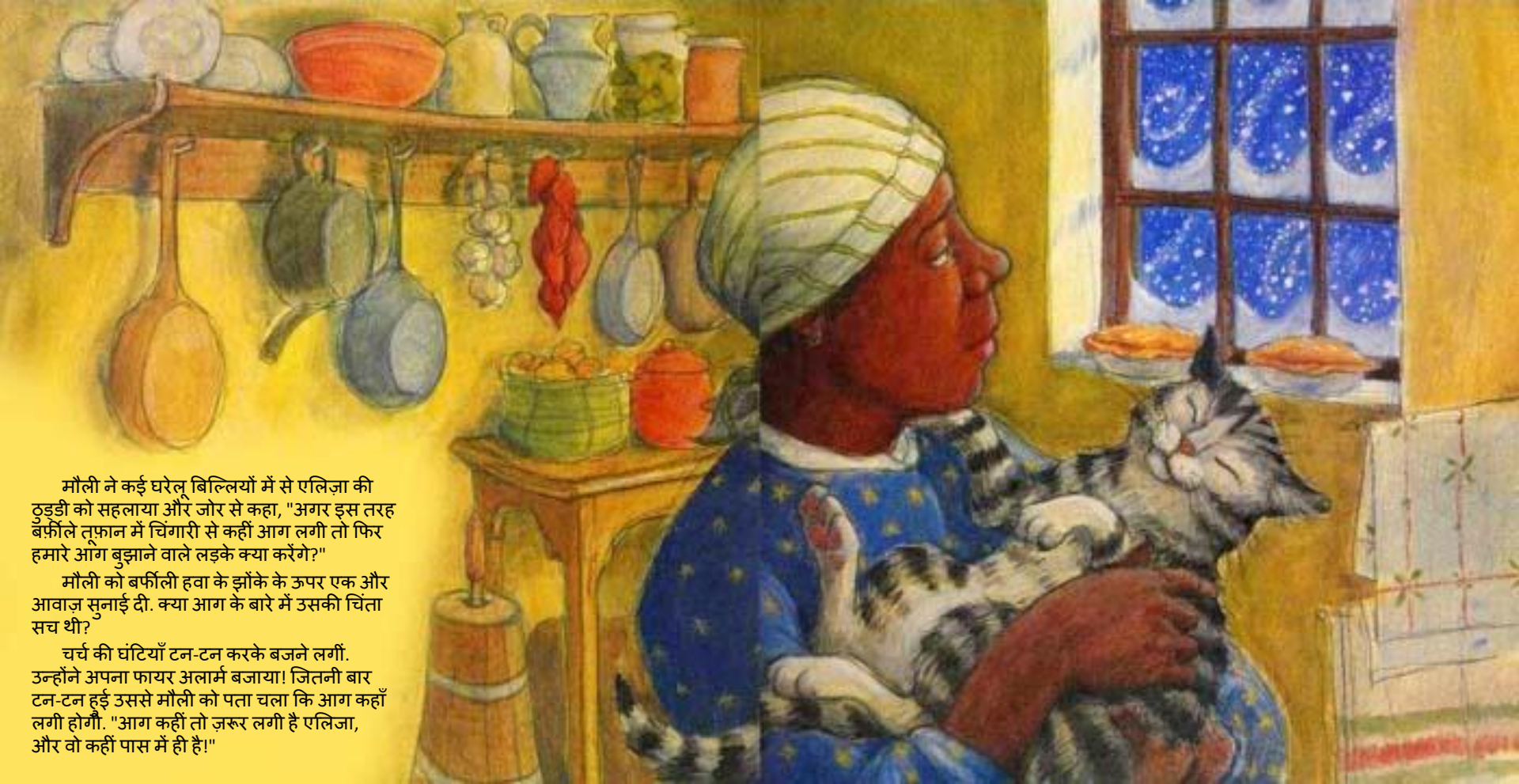

मौली ने कई घरेलू बिल्लियों में से एलिज़ा की ठुड्डी को सहलाया और जोर से कहा, "अगर इस तरह बर्फ़ीले तूफ़ान में चिंगारी से कहीं आग लगी तो फिर हमारे आग बुझाने वाले लड़के क्या करेंगे?"

मौली को बर्फीली हवा के झोंके के ऊपर एक और आवाज़ सुनाई दी. क्या आग के बारे में उसकी चिंता सच थी?

चर्च की घंटियाँ टन-टन करके बजने लगीं. उन्होंने अपना फायर अलार्म बजाया! जितनी बार टन-टन हुई उससे मौली को पता चला कि आग कहाँ लगी होगी. "आग कहीं तो ज़रूर लगी है एलिजा, और वो कहीं पास में ही है!"

मौली ने पड़ोस के लड़कों की एक पल्टन को दौड़ते हुए देखा. वे हाथों में लालटेन लिए उसकी ओर बढ़ रहे थे. मौली बाहर गईं और फिर बर्फ से भरी गली-मोहल्लों और बर्फीली सड़कों पर आगे गईं. लड़के आग की सूचना देने के लिए घंटियाँ बजा रहे थे.

"आग!" वे सभी चिल्लाए. "बाहर आओ! मदद करो!"

कई आदमी अपने जूतों के फीते बांधते हुए और फड़फड़ाते हुए कपड़ों के साथ बाहर निकले. महिलाओं और बच्चों ने चमड़े की बाल्टियों में पानी भर-भर कर दिया. मौली और लड़के उन्हें लेकर दौड़ते हुए फायर कंपनी के उपकरण शेड में गए.

स्वयंसेवकों ने आग बुझाने के उपकरण - कुल्हाड़ियां, पुल-डाउन हुक, और रस्सी के कॉइल वैगन में लोड किए. मौली ने जल्दी से स्वयंसेवकों की गिनती की. उसने कभी किसी भी आपदा में इतने कम लोग नहीं देखे थे!

कप्तान ने मौली के हाथों से बाल्टियाँ लीं. "मौली," उन्होंने कहा, "तुम हमेशा अपना हाथ बंटाने और मदद करने को तैयार रहती हो."

मेरे हाथ केक पकाने के अलावा और कई काम कर सकते हैं, मौली ने सोचा. फिर मौली ने अपने सिर पर एक चमड़े के हेलमेट पहनी, अपने ऊनी लेगिंग के ऊपर सुरक्षा कवच चढ़ाया, और फिर काम के भारी दस्ताने पहनें. "मेरे लिए रुको!" वो चिल्लाईं.

"मौली!" कप्तान आश्चर्यचकित होकर चिल्लाए. उन्होंने मौली की ओर अपना हाथ लहराया और उन्हें बर्फीली सड़क पर भेजा जहाँ लोग भारी पम्पर इंजन को खींचने के लिए संघर्ष कर रहे थे. मौली ने रस्सी पर अपना स्थान लिया और फिर उन्होंने रस्सी को जोर से पकड़कर खींचा.

"खींचो लड़को .. देखो एक महिला भी तुम्हारे साथ है," कप्तान चिल्लाए. "जल्दी से पम्पर इंजन को सही जगह पर लेकर जाओ!"

"एक, दो, तीन, खींचों!" वे सब मिलकर चिल्लाए.

मौली और बाकी लड़के सड़क पर पम्पर इंजन को लाने में सफल रहे.

उन्होंने तेजी से बहती स्नो के बीच उसे खीचा. सर्द हवाएं मौली के चेहरे पर लगातार वार कर रही थीं, लेकिन मौली ने रस्सी पर अपनी पकड़ कभी नहीं छोड़ी!

जल्द ही मौली को बर्फ के टुकड़ों के बीच कालिख दिखाई दी. उन्हें जमी हुई हवा के बीच से भयभीत आवाज़ें सुनाई दीं. उसके सामने एक छोटा लकड़ी का घर था जो धू-धू करके जल रहा था!

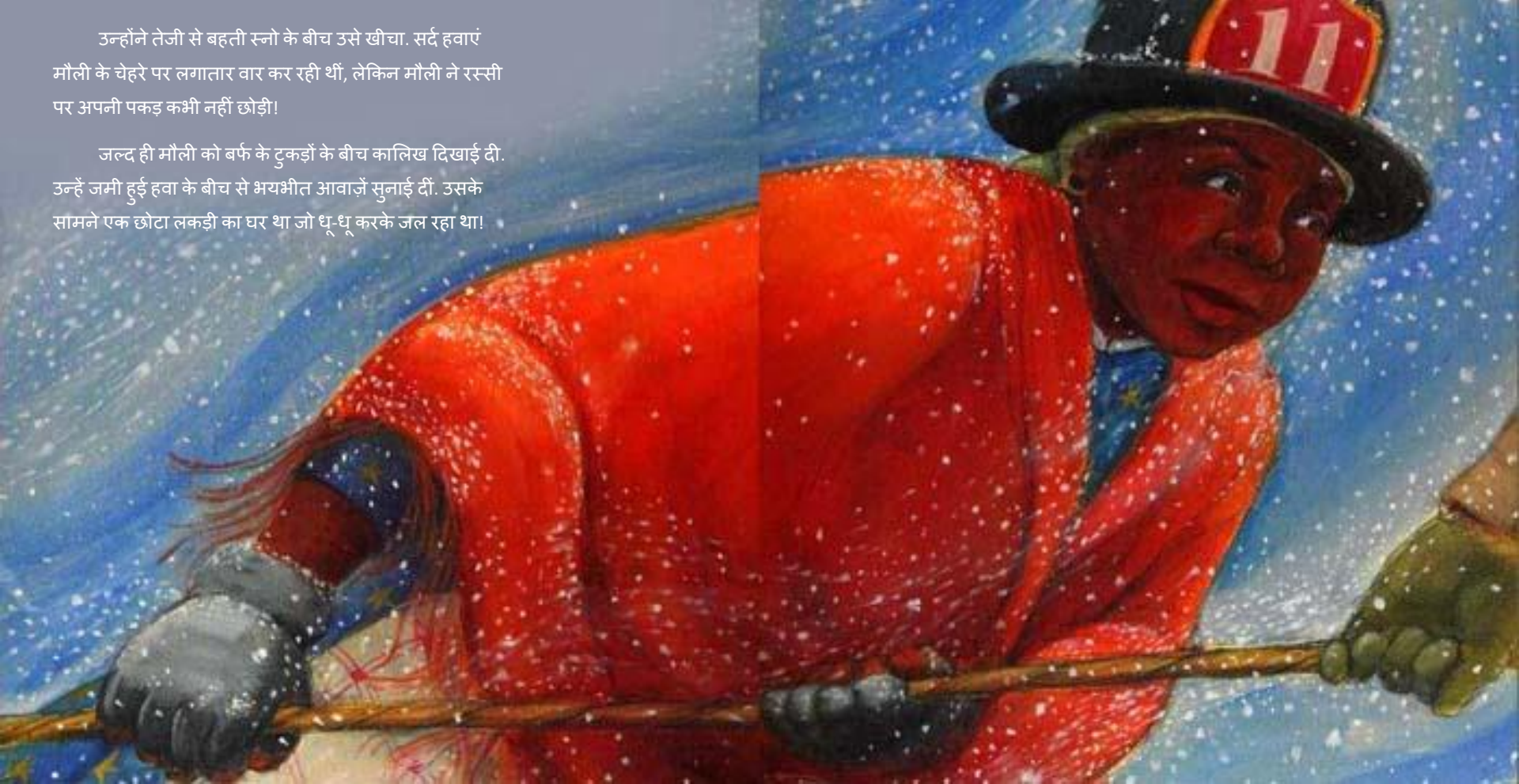

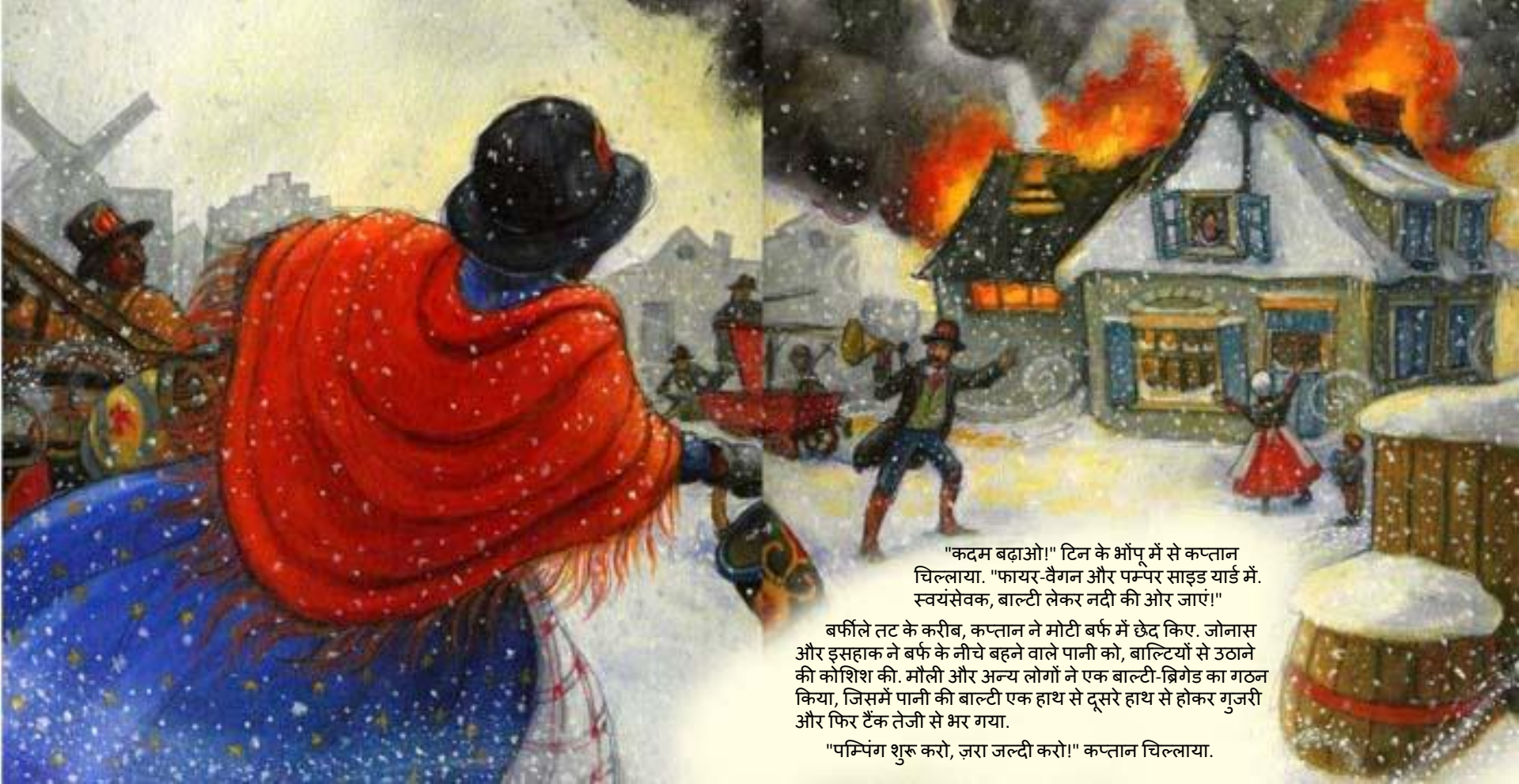

"कदम बढ़ाओ!" टिन के भोंपू में से कप्तान चिल्लाया. "फायर-वैगन और पम्पर साइड यार्ड में. स्वयंसेवक, बाल्टी लेकर नदी की ओर जाएं!"

बर्फीले तट के करीब, कप्तान ने मोटी बर्फ में छेद किए. जोनास और इसहाक ने बर्फ के नीचे बहने वाले पानी को, बाल्टियों से उठाने की कोशिश की. मौली और अन्य लोगों ने एक बाल्टी-ब्रिगेड का गठन किया, जिसमें पानी की बाल्टी एक हाथ से दूसरे हाथ से होकर गुजरी और फिर टैंक तेजी से भर गया.

"पम्पिंग शुरू करो, ज़रा जल्दी करो!" कप्तान चिल्लाया.

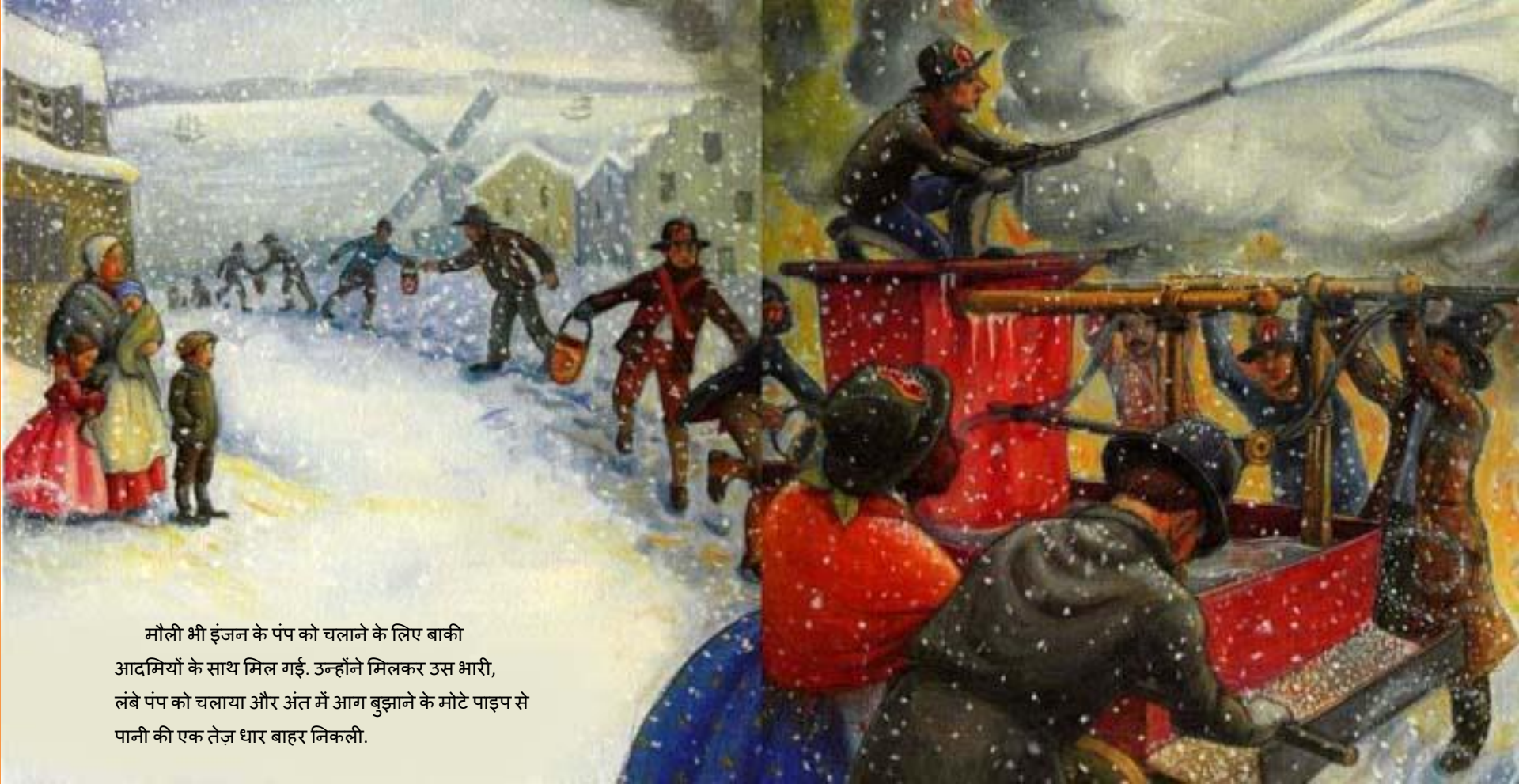

मौली भी इंजन के पंप को चलाने के लिए बाकी आदमियों के साथ मिल गई. उन्होंने मिलकर उस भारी, लंबे पंप को चलाया और अंत में आग बुझाने के मोटे पाइप से पानी की एक तेज़ धार बाहर निकली.

यह घंटे दर घंटे चलता रहा.

मौली ने जलती हुई लकड़ी पर पानी छिड़का. पानी पड़ने के बाद आग की लपटों से "हिस्स" की आवाज़ आई. मौली ने एक मुड़ी हुई लोहे की छड़ से जलती छत के हिस्सों को नीचे खींचा. धधकती हुई बल्लियों ने नीचे गिरते ही, बर्फ को पिघलाया. धुआँ मौली की नाक में घुसा और उसे घुटन महसूस हुई. कुछ जलते हुए अंगारे उसके ऊनी शॉल से आकर चिपके. आग से उसके गाल गर्म हुए.

मेरे आग बुझाने वाले लड़के इस आग को जीतने नहीं देंगे... .. और न ही मैं, मौली ने सोचा.

आग भड़की और बहुत अफरातफरी मची.

आखिर में ... आग बुझ गई.

वैन हॉर्न परिवार अपने बर्फीले यार्ड में कांप रहा था. वो धुएं की धुंध में घिरे थे. उन्हें खुद के ज़िंदा बचने की ख़ुशी थी वो इस बात से भी खुश थे कि आग पूरे मोहल्ले में नहीं फैली पाई थी.

मौली अब थककर चूर-चूर हो गई थी. फिर भी उसने पंप को वापिस शेड में रखने के लिए रस्सी खींची. जोनास, इसहाक, और अन्य स्वयंसेवक जिनके चेहरों पर कालिख लगी थी मुस्कुराते हुए मौली के पास पहुंचे. "हमारे नए फायर-फाइटर स्वयंसेवक के लिए हुर्रे!" वे खुश होकर चिल्लाए.

"मौली, महिला होने के बावजूद, आग बुझाने के काम में तुम किसी मर्द से कम नहीं हो," कप्तान ने कहा. "तुम सच में अद्भुत हो!"

लेखिका का नोट

मैं पहली बार "मौली विलियम्स" से तब मिली जब मैं एक अन्य ऐतिहासिक-कहानी के लिए, आग बुझाने की विधियों पर शोध कर रही थी. शोध पत्र में बस इतना ही उल्लेख था कि वो "अमेरिका में पहली महिला फायर-फाइटर" थीं. जब मैं एक छोटी लड़की थी, तो मैं भी फायर ब्रिगेड का ट्रक चलाना चाहती थी. इसलिए मैंने तुरंत उस बारे में और शोध किया. धीरे-धीरे, मुझे मौली के बारे में अतिरिक्त जानकारी के टुकड़े, और किंवदंतियां मिलीं जिनका अग्निशमन के इतिहास की पुस्तकों में उल्लेख था. मौली विलियम्स के साहस के लिए मेरा सम्मान; प्रत्येक कहानी और जानकारी के साथ लगातार बढ़ता गया. फिर मैंने युवा पाठकों के लिए मौली के जीवन को जीवंत बनाने का दृढ़ संकल्प किया. मैंने अपनी कहानी में उस युग की अग्निशमन तकनीकों और उपकरणों के ऐतिहासिक चित्रण के साथ-साथ मूल कहानी को भी जोड़ा. मुझे उम्मीद है कि मौली विलियम्स की कहानी उन युवाओं को प्रेरित करेगी जो किसी दिन अग्निशामक बनने का सपना देखते होंगे.

लगातार पूछे जाने वाले प्रश्न

मौली विलियम्स के बारे में हम क्या जानते हैं?

उनके जीवन के बारे में बहुत कम जानकारी ही उपलब्ध है. हम इतना ज़रूर जानते हैं मौली एक अफ्रीकी-अमेरिकन महिला थीं जो 1800 के दशक की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर में रहती थीं. वो मिस्टर अयमर के घर में काम करती थीं, जो अपने जिले की फायर कंपनी - ओशनस इंजन कंपनी नंबर 11 के स्वयंसेवी सदस्य थे.

मौली ने खुद की तब पहचान बनाई जब उनके पड़ोस की स्वयंसेवी फायर कंपनी को, एक भयानक बर्फ के तूफ़ान में आग बुझाने में उनकी मदद की सख्त जरूरत पड़ी. साहस और दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने संघर्षरत स्वयंसेवकों के छोटे समूह को तूफानी बर्फ में भारी पम्पर इंजन को खींचने में मदद की. आखिरकार मौली की मदद से आग बुझा दी गई.

मौली की बहादुरी के कारण अग्नि कंपनी के लोगों ने उनके प्रति अपना आभार व्यक्त किया. उन्हें "स्वयंसेवक नंबर 11" का उपनाम भी दिया गया, जिस पर उन्हें सारी ज़िंदगी गर्व रहा. इसके बाद से मौली ने दिन के किसी भी समय और किसी भी मौसम में, मर्दों के साथ मिलकर आग बुझाने के अथक प्रयास किए.

मौली फायर ब्रिगेड में खाना क्यों नहीं पकाती थीं?

1800 के दशक की शुरुआत में फायर कंपनियां नागरिक स्वयंसेवकों द्वारा चलाई जाती थीं, और "दमकल" हाथ से चलने वाली पानी की पंपिंग गाड़ियां थीं. दमकल की बजाए, पड़ोस की फायर कंपनियों के छोटे लकड़ी के भंडारण शेड होते थे जिनकी एक चारदीवारी होती थी. चूंकि मिस्टर अयमर एक इंजन-कंपनी के स्वयंसेवक थे इसलिए मौली ने संभवतः अपने मालिक मिस्टर अयमर और उसके साथी अग्निशामकों के लिए खाना पकाया.

मौली, भोजन अपनी रसोई में ही पकाती थीं और फिर फायर कंपनी के उपकरण शेड में फायर फाइटर्स की बैठकों या सामाजिक कार्यक्रमों में खाना सप्लाई करती थीं. अच्छे मौसम में वो शायद शेड के बाहर ही कैंपफायर पर खाना पकाती होंगी. कुछ कथनों के अनुसार मौली देर रात तक आग से लड़ने वाले भूखे स्वयंसेवकों के खाने के लिए कपड़े में भोजन लपेट कर ले जाती थीं.

क्या मौली अपने पड़ोसियों को आग की सूचना देने के लिए सड़कों पर दौड़ती थीं?

मौली के काल में स्वयंसेवक अग्निशामकों को, ड्यूटी पर बुलाने के लिए कोई अलार्म बॉक्स या मैकेनिकल सायरन नहीं थे. उस समय फायर कंपनियों के पास युवा स्वयंसेवकों का एक समूह होता था, जिन्हें "धावक" कहा जाता था. ये लड़के चिल्लाते हुए सड़कों पर दौड़ते थे और हाथ में घंटियों और झुनझुनों से शोर मचाते थे. चर्चों की घंटियाँ होती थीं - हर मोहल्ले में कम-से-कम एक घंटी ज़रूर होती थी जिसे चेतावनी देने के लिए इस्तेमाल किया जाता था. घंटियों की आवाज़ का भी एक निश्चित पैटर्न होता था जो धावकों के लिए एक कोड का काम करता था और जहां आग लगी थी, उन्हें उसकी लोकेशन बताता था.

मौली और मर्द स्वयंसेवकों को, पम्पर इंजन में नदी में से पानी क्यों भरना पड़ता था?

शुरुआती पम्पर इंजनों को आग के स्थान तक हाथ से खींचना पड़ता था. पर अगर पम्पर इंजन का टैंक पहले से ही पानी से भरा होता, तो उसे सड़कों पर खींचना बहुत मुश्किल होता. वहां पहुँचते-पहुँचते ही फायर ब्रिगेड के लोग थक जाते. इसलिए पम्पर इंजनों को आग के स्थान पर पहुँचने के बाद ही उनमें पानी भरा जाता था.

पानी किसी कुएं या गढ़ढे से निकाला जाता था, लेकिन पानी का सबसे विश्वसनीय और भरपूर स्रोत पास की नदी, झील या तालाब होता था. प्रत्येक नागरिक को आग से निबटने के लिए कम-से-कम एक बाल्टी पानी देना आवश्यक था. पड़ोसी अक्सर दौड़ते हुए फायर फाइटर्स को बाल्टी थमाते थे.